RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 08 नवंबर से 14 नवंबर 2025 भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित वर्ष- 12 अंक-66 पृष्ठ- 8 मूल्य- रु. 5 /-

LG की 'मेक इन इंडिया' रणनीति: इलेक्ट्रॉनिक्स मशीनरी का उत्पादन भारत में, नोएडा में 1,000 करोड़ का R&D हब

कोरिया-चीन-वियतनाम से शिफ्ट, 500 नौकरियां सृजित; iPhone 17 प्लांट्स के लिए मशीनरी सप्लाई

नई दिल्ली: दक्षिण कोरियाई दिग्गज LG इलेक्ट्रॉनिक्स भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कंपनी इलेक्ट्रॉनिक्स मशीनरी, डिस्प्ले और हाई-टेक कंपोनेंट्स के उत्पादन को कोरिया, चीन और वियतनाम से भारत स्थानांतरित करने की योजना बना रही है। आर्थिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, LG ऑटोमेटेड प्लांट्स स्थापित करने वाली मशीनरी का स्थानीय उत्पादन शुरू करेगी। हाल ही में, कंपनी ने पहली बार फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन के भारत स्थित iPhone 17 प्लांट्स के लिए मशीनरी सप्लाई की है।

LG कॉर्प ने नोएडा में 1,000 करोड़ रुपये निवेश कर ग्लोबल R&D हब स्थापित करने की घोषणा की है, जो लगभग 500 नौकरियां सृजित करेगा। यह कदम भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का केंद्र बनाने की LG की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के अधिकारियों ने कहा, "भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री की अपार संभावनाओं पर हम आशावादी हैं।" PLI स्कीम्स और 'मेक इन इंडिया' से प्रेरित यह पहल स्थानीय मूल्य श्रृंखला को मजबूत करेगी।

LG इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, जो दक्षिण कोरिया माता-पिता कंपनी से अधिक मूल्यांकन वाली है, ने हाल ही में अंडhra प्रदेश के श्री सिटी में 5,000 करोड़ का प्लांट शुरू किया, जो AC कंप्रेसर, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और AC का उत्पादन करेगा। कंपनी का भारत में निवेश अब 600 मिलियन डॉलर से अधिक हो चुका है, जो दक्षिण भारत की सप्लाई चेन मजबूत करेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 2030 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंचेगा। LG का यह कदम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण को दर्शाता है, जो भारत को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनाएगा। शेयर बाजार में LG इंडिया के शेयर

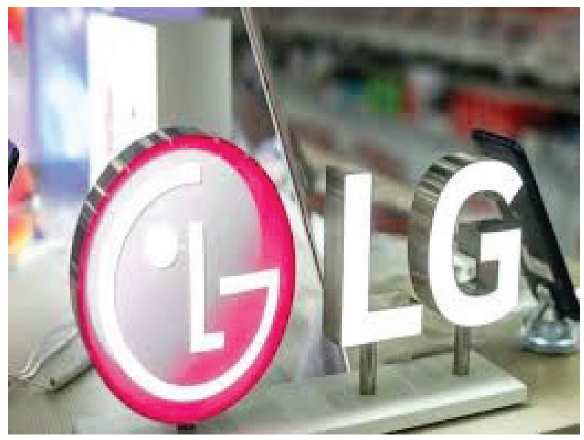

2% चढ़े।

मारुति सुजुकी ने घरेलू बाजार में 3 करोड़ बिक्री का आंकड़ा पार किया, छोटी SUV टैक्स राहत से रफ्तार में, हैचबैक पिछड़ रही

41 साल में मिला माइलस्टोन, SUV सेगमेंट में 40% हिस्सेदारी; हैचबैक की हिस्सेदारी 45% से घटकर 32%

नई दिल्ली: भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (MSIL) ने घरेलू बाजार में 3 करोड़ वाहनों की बिक्री का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया। कंपनी ने मंगलवार को यह घोषणा की, जो 1983 में पहली कार (मारुति 800) लॉन्च होने के 41 साल बाद हासिल हुआ। इस माइलस्टोन में SUV सेगमेंट का योगदान 40% रहा, जबकि हैचबैक की हिस्सेदारी 45% से घटकर 32% रह गई।

इसी बीच, छोटी SUV ने टैक्स राहत और उपभोक्ता पसंद के कारण रफ्तार पकड़ ली है। GST काउंसिल की हालिया मीटिंग में 4 मीटर से कम लंबाई वाली SUV पर 5% टैक्स कटौती का प्रस्ताव पारित हुआ, जिससे उनकी कीमतें 1-1.5 लाख रुपये तक कम हो सकती हैं। इससे ब्रेजा, फ्रॉन्क्स और ग्रैंड विटारा जैसी मॉडल्स की मांग 25% बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, हैचबैक सेगमेंट, जिसमें स्विफ्ट, वैगनआर और अल्टोशामिल हैं, उपभोक्ताओं के SUV की ओर रुझान से जूझ रहा है। FY25 में हैचबैक की बिक्री 15% घटी, जबकि SUV 30% बढ़ी।

मारुति के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा, 3 करोड़ का आंकड़ा भारतीय उपभोक्ताओं के भरोसे का प्रतीक है। SUV और CNG मॉडल्स भविष्य की दिशा हैं। कंपनी ने Q2 में 5.4 लाख यूनिट्स बेचीं, जिसमें SUV का योगदान 42% रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि टैक्स राहत से छोटी SUV की बिक्री 2026 तक 50% बढ़ सकती है, जबकि हैचबैक को इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वेरिएंट्स से नई जान मिलेगी। मारुति ने 2030 तक 10 लाख SUV बिक्री का लक्ष्य रखा है। शेयर बाजार में इस खबर से कंपनी के शेयर 3% चढ़े। यह

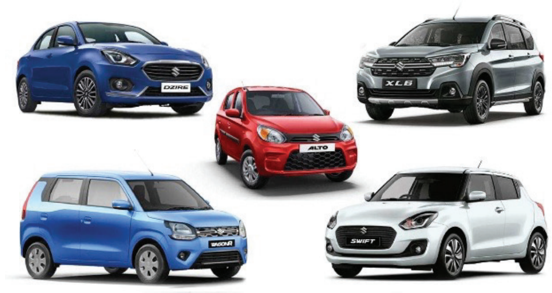

माइलस्टोन भारतीय ऑटो सेक्टर में बदलते ट्रेंड को दर्शाता है।

पेटीएम ने गोल्ड कॉइन्स पर जोर दिया: ग्राहक जुड़ाव और धन सृजन को गहराई

डिजिटल गोल्ड निवेश से वेल्थ बिल्डिंग, 100 रुपये से शुरू; त्योहारी सीजन में 50% बढ़ोतरी की उम्मीद

मुंबई: डिजिटल पेमेंट दिग्गज पेटीएम ने ग्राहक जुड़ाव और धन सृजन को बढ़ावा देने के लिए 'गोल्ड कॉइन्स' फीचर पर विशेष फोकस किया है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि यह डिजिटल गोल्ड निवेश सेवा अब पेटीएम ऐप पर अधिक सुलभ होगी, जहां उपयोगकर्ता 100 रुपये से शुरू कर सोने में निवेश कर सकेंगे। यह कदम त्योहारी सीजन में ग्राहकों को आकर्षित करने का प्रयास है, जहां गोल्ड कॉइन्स का लेन-देन 50% बढ़ने की संभावना है।

पेटीएम के CEO विजय शेखर शर्मा ने कहा, गोल्ड कॉइन्स ग्राहकों को सुरक्षित निवेश का सरल तरीका प्रदान करता है। हमारा लक्ष्य वेल्थ क्रिएशन को डेमोक्रेटाइज करना है, ताकि हर भारतीय छोटे निवेश से सोने का लाभ उठा सके। यह फीचर MMTC-PAMP के साथ साझेदारी में काम करता है, जो 24 कैरेट शुद्ध सोना उपलब्ध कराता है। उपयोगकर्ता ऐप पर गोल्ड खरीद, बेच या भौतिक सोने के रूप में डिलीवर करा सकते हैं। अब तक, पेटीएम पर 10 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं ने गोल्ड कॉइन्स में निवेश किया है, जिससे कुल मूल्य 500 करोड़ रुपये पार कर गया।

कंपनी का मानना है कि डिजिटल गोल्ड से ग्राहक लॉयल्टी बढ़ेगी, क्योंकि यह पारदर्शी, सुरक्षित और बिना स्टोरेज चिंता के है। विशेषज्ञों का कहना है कि रिजर्व बैंक के डिजिटल करेंसी दिशानिर्देशों के अनुरूप यह कदम पेटीएम को फिनटेक लीडर बनाएगा। हालांकि, बाजार उतार-चढ़ाव से जोखिम है, लेकिन छोटे निवेश से वेल्थ बिल्डिंग आसान होगी। त्योहारी मौसम में यह फीचर पेटीएम की बिक्री को गति देगा।

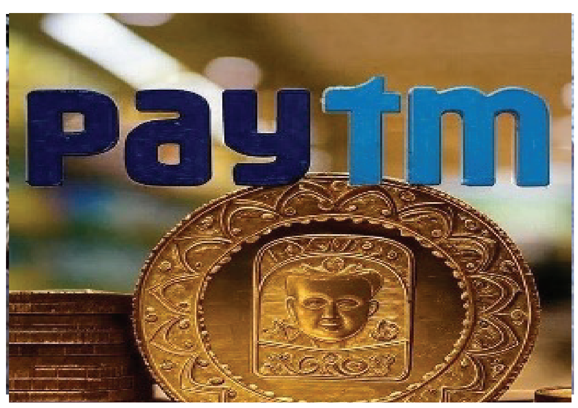

दुर्लभ पृथ्वी में भारत की अपार संभावनाएं: प्रसंस्करण क्षमता पर ध्यान दें, WEC चेयरमैन

चिप, EV और रक्षा के लिए महत्वपूर्ण खनिजों का भंडार, लेकिन रिफाइनिंग की कमी से आयात निर्भरता; वैश्विक बाजार में 10% हिस्सेदारी का लक्ष्य

मुंबई: विश्व ऊर्जा परिषद (WEC) के चेयरमैन जोआकिम सेवेरिंघाउस ने कहा कि भारत दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (REE) में अपार क्षमता रखता है, लेकिन प्रसंस्करण क्षमताओं पर फोकस करने की जरूरत है। एक वेबिनार में बोलते हुए उन्होंने कहा, भारत के पास REE का बड़ा भंडार है, लेकिन रिफाइनिंग और मूल्य श्रृंखला में कमी से हम आयात पर निर्भर हैं। चिप, इलेक्ट्रिक वाहन (EV) और रक्षा क्षेत्रों के लिए ये खनिज महत्वपूर्ण हैं।
REE, जैसे नियोडिमियम, प्रेसियोडिमियम और डिस्प्रोसियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और EV बैटरी में उपयोग होते हैं। भारत में REE का भंडार 6.9 मिलियन टन है, लेकिन उत्पादन मात्र 2,900 टन प्रतिवर्ष है। सेवेरिंघाउस ने कहा, भारत वैश्विक REE बाजार में 10% हिस्सेदारी हासिल कर सकता है, लेकिन इसके लिए खनन से लेकर रिफाइनिंग तक पूरी चेन विकसित करनी होगी। उन्होंने चीन की 80% वैश्विक उत्पादन क्षमता का उदाहरण दिया, जो भारत के लिए चुनौती है।
भारत सरकार ने REE के लिए राष्ट्रीय खनिज नीति में सुधार किए हैं, जिसमें PLI स्कीम और निजी भागीदारी पर जोर है। IREL (इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड) को सशक्त बनाया जा रहा है। सेवेरिंघाउस ने सुझाव दिया कि भारत जापान, यूरोपीय संघ के साथ साझेदारी करे। विशेषज्ञों का मानना है कि REE प्रसंस्करण से भारत का EV निर्यात 2030 तक $50 अरब तक पहुंच सकता है।
यह कदम आत्मनिर्भर भारत को गति देगा। WEC का अनुमान है कि वैश्विक REE मांग 2030 तक दोगुनी हो जाएगी। भारत को तत्काल निवेश से अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

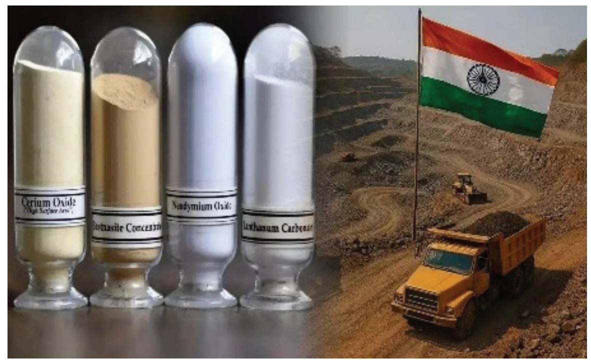

FMCG Sector Shake-Up: Rakshit Hargave's Move to Britannia Amid

Birla Opus CEO Resigns for Britannia Leadership Role; AWL Targets 30% Volume Share in High-Margin Packaged Foods to Counter Oil Volatility

Mumbai: In a seismic shift for India's FMCG landscape, Rakshit Hargave has resigned as CEO of Birla Opus Paints to helm Britannia Industries as its new CEO, effective December 15, 2025. The Aditya Birla Group veteran, who steered Birla Opus's launch and expansion since 2023, will succeed Rajneet Kohli, reporting directly to Managing Director and Chairman Varun Berry. Britannia's board approved Hargave's appointment for a five-year term, pending shareholder nod, in a BSE filing on Wednesday.
Hargave's return to consumer goods after leading paints with rapid market penetration signals Britannia's push for innovation in biscuits and snacks amid intensifying competition. Rakshit brings proven leadership in scaling brands and driving consumer-centric growth, Berry noted. Himanshu Kapania, Birla Opus MD, will oversee interim operations until a successor is named. Shares of Britannia rose 2.1% to Rs 5,200, reflecting optimism in the leadership transition.
Meanwhile, AWL Agri Business, formerly Adani Wilmar, is doubling down on packaged foods to shield margins from volatile edible oils. The company aims to elevate this segment's volume share to 30% within five years, up from the current 10-15%, as per an Economic Times report. Edible oils, comprising 80% of revenue, face price swings from palm oil imports, eroding profitability. Packaged products like rice bran oil, soya nuggets, and biryani kits offering 20-25% higher margins will drive diversification.
AWL's Q2 FY26 revenue grew 8% to Rs 15,000 crore, but oil volatility capped profits at Rs 450 crore. "Higher-margin packaged foods will stabilize earnings amid commodity risks," CEO Angelo George said. The strategy includes expanding distribution to 2 million outlets and launching 20 new SKUs by FY26 end.
These developments highlight FMCG's adaptive strategies: leadership infusions for scale and portfolio shifts for resilience. As consumer spending rebounds, both firms eye 12-15% growth in FY26, buoyed by festive demand.

Sh. Pradeep Karambelkar
Founder & Editor

Dr. Irshad Ahmad Khan
Sub-Editor

Sh. Pushpendra Singh
Marketing Officer

India 2047: How Equities are Powering the Vision of a Developed Nation

As India moves toward its 100th year of independence in 2047, the country has set a bold goal to become a developed nation. To achieve this dream, India needs strong economic growth, innovation, and a financially empowered population. One of the most important ways to support this journey is through equity investing or investing in the stock market.

In simple terms, equities are shares of companies. When you buy a share, you become a part-owner of that company. As the company grows, so does the value of your investment. This not only builds wealth for you but also helps companies grow and create jobs which benefits the whole country.

Why Equities Matter for India's Future

Equity investment is not just for the rich or businessmen anymore. Today, even small investors from towns and villages can start investing with as little as ₹100. Thanks to platforms like UPI, discount brokers, and mutual fund apps, investing has become simple and digital.

By 2047, a large part of India's economic growth will come from domestic capital money invested by Indians in Indian companies. When millions of people invest in the stock market, they help businesses raise funds, expand factories, develop new products, and enter global markets. This is how India's equity market is a partner in making our "Viksit Bharat" vision real.

Key Sectors Driving Growth

1. Technology: India is already a leader in IT services. By investing in IT companies, we support the digital future.

2. Manufacturing: With the "Make in India" and "Atmanirbhar Bharat" initiatives, companies in electronics, automobiles, and defence will lead growth.

3. Green Energy: As the world turns to clean energy, Indian companies in solar, wind, EVs, and hydrogen will drive the future.

4. Banking & Finance: India's financial services are expanding rapidly to cover every citizen from metros to villages.

When you invest in these sectors, you are helping India stand stronger in the global economy.

Equities and the Common Investor

In the past, many people in India kept their money in bank savings or gold. But now, thousands of young Indians are turning to the stock market and mutual funds. Why?

• **Higher returns:** Over the long term, equities have beaten inflation and provided better returns than fixed deposits or gold.

• **Easy access:** Even a student or homemaker can start with SIPs (Systematic Investment Plans).

• **Financial freedom:** Investing creates wealth that can support education, retirement, or even business dreams.

Imagine if even 10 crore Indians consistently invest in equities. This alone can make India not just a fast-growing but a financially strong and confident nation.

A Vision in Motion

By 2047, India's equity markets are expected to be among the top 3 in the world. Our companies will not just serve India but lead globally in sectors like pharma, IT, space, defence, and renewable energy. This journey is not just for big investors; every Indian can be a part of it.

As we walk toward 2047, one small monthly investment in the stock market could become your contribution to India's growth story.

Let's invest in equities. Let's invest in India. Let's invest in our future.

Dr. Irshad Ahmod Khan
Sub-Editor

जीवन उत्सव – हर उम्र के लिए सुरक्षित और खुशहाल भविष्य का साथी

मेंक इन इंडिया' को बल, स्टील और इंजन जैसे घटकों का आयात कम करने पर जोर; 2030 तक वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य

जीवन उत्सव योजना भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC of India) का एक लोकप्रिय Whole Life Guaranteed Income Plan है। इसका मुख्य उद्देश्य है जीवनभर सुरक्षा के साथ-साथ नियमित आय प्रदान करना। यह योजना सभी आयु वर्ग के लोगों (बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों) के लिए अलग-अलग तरह के फायदे देती है।

1. बच्चों के लिए लाभ (Children)

पढ़ाई और करियर सपोर्ट – माता-पिता अगर बच्चों के लिए जीवन उत्सव प्लान लेते हैं, तो यह भविष्य में उनकी पढ़ाई और उच्च शिक्षा के लिए निश्चित आय उपलब्ध कराता है।

जीवनभर सुरक्षा – बच्चे बड़े होने पर भी यह प्लान Whole Life तक कवरेज देता है।

(Tax Benefits) – प्रीमियम पर आयकर छूट और मैच्योरिटी/इनकम टैक्स-फ्री मिलती है।

2. युवाओं के लिए लाभ (Young Persons)

निश्चित आय (Guaranteed Income) – 25 साल की उम्र में लेने पर 40 साल की उम्र से ही Regular Income शुरू हो सकती है।

रिटायरमेंट प्लानिंग – जल्दी शुरू करने पर जीवनभर के लिए स्थायी पेंशन जैसा लाभ।

परिवार की सुरक्षा – अचानक मृत्यु की स्थिति में परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिलती है।लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण – लंबे समय तक निवेश बने रहने से जीवनभर फायदे।

3. उच्च आयु वर्ग (Senior / Higher Age Group) के लिए लाभ

जीवनभर निश्चित आय – 60+ आयु के लोग भी इसमें निवेश कर सकते हैं और जीवनभर Guaranteed Income प्राप्त कर सकते हैं।

पेंशन जैसा भरोसा – हर साल मिलने वाली आय से रिटायरमेंट के बाद आर्थिक चिंता समाप्त।

कर लाभ – आयकर की धारा 80C और 10(10D) के अंतर्गत छूट।

नॉमिनी बेनिफिट – मृत्यु की स्थिति में नॉमिनी को निश्चित राशि और बोनस।

4. जीवन उत्सव की मुख्य विशेषताएँ

Whole Life Plan – जीवनभर कवर।

Lifetime Income – प्रीमियम भरने के बाद निश्चित आय।

Flexibility – आय सालाना, छः माही या त्रैमासिक ली जा सकती

Loan Facility – जरूरत पड़ने पर Policy Loan की सुविधा।

Tax Benefits – प्रीमियम और इनकम दोनों टैक्स फ्री।

5. निष्कर्ष

जीवन उत्सव सिर्फ एक बीमा योजना नहीं, बल्कि हर उम्र में आर्थिक स्वतंत्रता और सुरक्षा का वादा है।

👉 बच्चों के लिए शिक्षा सुरक्षा,
👉 युवाओं के लिए भविष्य की योजना,
👉 और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्थायी आय – सब कुछ एक ही प्लान में।

"जीवन उत्सव – हर उम्र के लिए उत्सव"

Asha Singroli
Asha Wealth Management Solutions

Central Banks Ramp Up Gold Hoard: Q3 Purchases Surge 10% to 220 Tonnes Amid Global Uncertainty

Emerging Markets Lead Rebound with Kazakhstan and Brazil Adding 33 Tonnes; YTD Total Hits 634 Tonnes, Underpinning Record Prices

Mumbai: Central banks worldwide have accelerated gold acquisitions, purchasing 220 tonnes in the third quarter a 10% increase from Q3 2024's 199.5 tonnes signaling sustained diversification from volatile currencies, according to the World Gold Council's (WGC) Gold Demand Trends Q3 2025 report. This 28% quarter-on-quarter rebound from Q2's 172 tonnes underscores gold's role as a safe-haven asset amid geopolitical tensions, US election uncertainties, and persistent inflation.

Emerging markets drove the surge, with Kazakhstan's central bank leading at 18 tonnes, followed by Brazil's 15 tonnes, its first addition since 2021. Other notable buyers included Iraq (6 tonnes), China (5 tonnes), and the Czech Republic (5 tonnes). Notably, 66% of purchases remain unreported, a trend since 2022, highlighting opaque strategies in an era of de-dollarization.

Year-to-date, central banks have added 634 tonnes, slightly below 2024's 724 tonnes but far exceeding the pre-2022 average of 400-500 tonnes annually. India's Reserve Bank added 0.6 tonnes in H1, pushing reserves past $100 billion. WGC forecasts 750-900 tonnes for full-year 2025, driven by policy shifts and economic hedges.

This voracious buying, comprising 3% of total gold demand (up 3% y/y to 1,313 tonnes), propelled prices to $3,456/oz, a 40% annual gain. Analysts attribute the momentum to stagflation fears and ETF inflows (+222 tonnes), though jewellery demand dipped 31% due to high prices.

As central banks fortify reserves gold now 11.4% of India's forex holdings the trend bolsters gold's allure, potentially sustaining prices above $3,000/oz through 2026. For investors, it signals resilience in uncertain times.

Tata Power Pumps Rs 11,000 Cr into Pune's Green Energy Leap: Largest Pumped Hydro Project Takes Shape

1,800 MW Facility to Power Maharashtra with Clean Storage, Aligning with India's 500 GW Renewable Target by 2030

Mumbai: Tata Power Company Ltd has unveiled plans to invest Rs 11,000 crore in a groundbreaking 1,800 MW pumped hydro storage project near Pune, Maharashtra, marking its foray into utility-scale energy storage. The announcement, made during the company's Q2 earnings call, underscores Tata Power's commitment to sustainable power amid India's escalating renewable energy ambitions.

The project, located in the Western Ghats, will harness Maharashtra's topography for a closed-loop system, storing excess hydroelectric power during off-peak hours and releasing it during peak demand. Expected to be commissioned by FY30, it will generate 1,800 MW enough tosupply over 10 million households annually while stabilizing the grid against solar and wind intermittency.

This initiative not only bolsters our green portfolio but also addresses India's growing need for reliable baseload storage, said Tata Power CEO Praveer Sinha.

With a capacity to store 10,000 MWh, the facility will reduce reliance on fossil fuels, cutting CO2 emissions by an estimated 2.5 million tonnes yearly. It aligns with the government's National Electricity Plan, targeting 50 GW of pumped hydro by 2032, and supports Maharashtra's goal of 25 GW renewables by 2030. Tata Power, already a leader with 4.5 GW in renewables, aims to triple its capacity to 15 GW by FY27 through similar innovations.

The investment, funded via internal accruals and debt, is part of Tata Power's Rs 70,000 crore capex over five years. Analysts hail it as a "game-changer," potentially yielding 12-14% IRR while enhancing energy security. Shares rose 1.8% to Rs 445 on BSE, reflecting investor optimism in Tata's green pivot.

As India races toward 500 GW non-fossil capacity by 2030, projects like this bridge the gap between ambition and execution, powering a cleaner tomorrow.

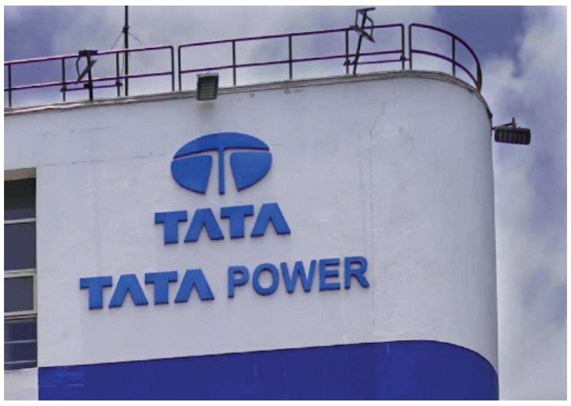

Reliance's Rare Pivot: Mukesh Ambani's Giant to Resell Middle Eastern Crude Amid Russian Supply Squeeze

$3.9 Bn Russian Oil Pressure Spurs Spot Market Sales; Shift from Importer to Seller Signals US Sanctions' Ripple Effects on Global Trade

In an unprecedented twist for India's largest refiner, Reliance Industries Ltd. (RIL), led by Mukesh Ambani, is venturing into reselling Middle Eastern crude oil cargoes on the spot market a rare move for a company historically known as a voracious importer. Trade sources cited by Bloomberg reveal Reliance is offering several million barrels of Iraqi Basrah Medium, Qatar's Al-Shaheen, and US WTI crude to domestic and international buyers, targeting deliveries for December and January.

This shift follows the US Treasury's October sanctions on Russian giants Rosneft and Lukoil, which supplied up to 3.9 billion worth of discounted oil to Reliance's Jamnagar refinery the world's largest last quarter. With secondary sanctions looming, Reliance snapped up 12 million barrels from the Middle East and US to plug the gap, but now seeks to offload excess at a premium to avoid storage costs and capitalize on tightening supply.

RIL's strategy reflects adaptive agility in a volatile landscape, noted an industry analyst. As India's top Russian oil buyer (36% of imports), Reliance's pivot underscores the sanctions' bite: Russian Urals crude discounts have narrowed from $20 to $2-3 per barrel, eroding savings.

Domestic peers like Indian Oil Corp. and HPCL-Mittal Energy are also recalibrating, with the latter halting Russian buys outright.

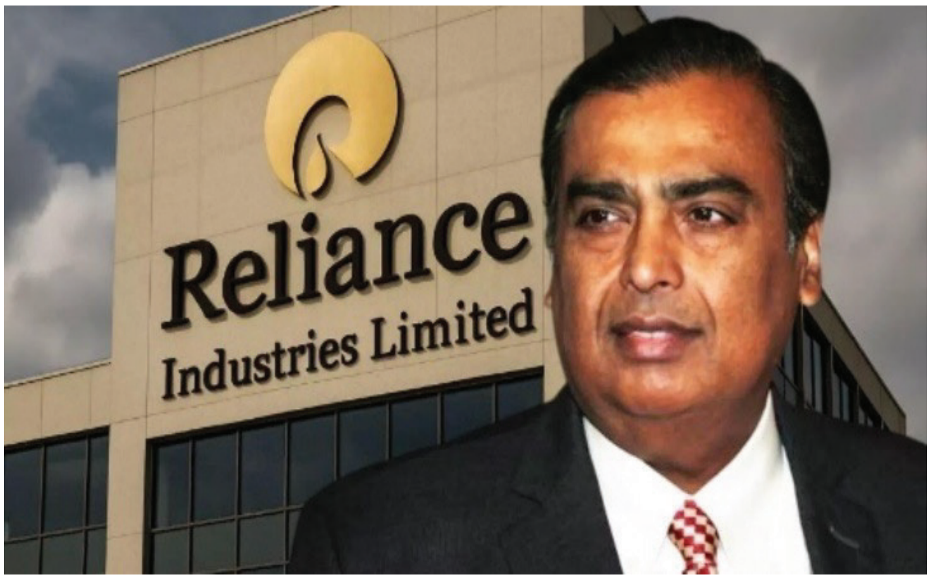

For Reliance, this foray into trading could yield $50-100 million in profits per cargo, bolstering its $200 billion energy arm. However, it risks straining relations with Middle Eastern suppliers and exposes the firm to spot market swings. As global oil hovers at $75/barrel, Ambani's gambit highlights India's balancing act between cost savings and compliance, potentially reshaping Asian refining dynamics.

AIFs Transform India's Real Estate: Rs 75,468 Cr Inflows in H1 FY25 Signal Boom

Category II Funds Dominate with 80% Share; HNIs and Institutions Drive Diversification in Commercial Assets

Mumbai: Alternative Investment Funds (AIFs) have emerged as pivotal players in India's real estate landscape, channeling Rs 75,468 crore into the sector during the first half of FY25 (April-September), according to SEBI data analyzed by Anarock. This marks a 10% surge from FY24-end's Rs 68,540 crore, comprising 17% of total AIF commitments across sectors, totaling Rs 4,49,384 crore. Real estate's dominance underscores AIFs' role in bridging funding gaps for developers, fueling a market poised to hit $1 trillion by 2030.

Category II AIFs, focusing on private equity, debt, and infrastructure, accounted for 80% of inflows, targeting commercial assets like offices, retail, data centers, warehouses, and hospitals.

"AIFs offer HNIs and institutions diversified exposure to premium projects with 18-20% targeted IRR, minimizing risks through pooling," said Anuj Puri, Chairman of Anarock. Funds like Golden Growth Fund (GGF) and Kotak Investment Advisors exemplify this, with Rs 2,000 crore and Rs 1,500 crore corpora respectively, emphasizing pan-India Grade-A developments.

The growth, a sevenfold rise from Rs 1 trillion in 2017, stems from SEBI's 2012 regulations enabling transparent, tax-efficient vehicles. Reforms like RERA and GST have boosted investor confidence, with AIFs now outpacing traditional routes like fixed deposits or direct buys. Emerging trends include fractional ownership and REITs, further democratizing access.

However, challenges persist: lock-in periods and illiquidity suit long-term investors. As AIFs evolve, they promise to unlock Rs 10 lakh crore in opportunities, driving urbanization and job creation. With 6.9 trillion AUM in 2022, the sector's CAGR of 83.4% signals untapped potential for wealth creation in India's booming real estate.

Zomato Hyperpure Bolsters Mumbai Logistics with Rs 1.7 Cr/Month Bhiwandi Warehouse Lease

5.5 Lakh Sq Ft Facility Marks Third MMR Expansion in 2025; Enhances Supply Chain for 10 Lakh+ Restaurant Partners

New Delhi: Zomato Hyperpure, the B2B supply arm of Eternal Ltd (formerly Zomato Ltd), has leased 553,249 sq ft of warehousing space in Bhiwandi, Thane district, for nearly five years at a starting monthly rent of Rs 1.71 crore. The transaction, registered on November 1 with the Inspector General of Registration (IGR), involved a stamp duty of Rs 26.98 lakh and a security deposit of Rs 8.57 crore. This marks Hyperpure's third major warehousing deal in the Mumbai Metropolitan Region (MMR) this year, underscoring its aggressive expansion in logistics infrastructure.

The facility at Hiranandani Industrial Park in Mauje Pogaon will bolster inventory management, sourcing, and distribution of farm produce, groceries, and essentials to over 10 lakh restaurant partners nationwide. It features a 48-month lock-in period and a 150-day rent-free fit-out window, enabling swift operational ramp-up. Hyperpure's earlier leases include 2.5 lakh sq ft in Bhiwandi (September, Rs 66.21 lakh/month) and 84,157 sq ft office space in Andheri (May, Rs 1.34 crore/month), reflecting a Rs 43.90 crore annual commitment.

Bhiwandi, MMR's premier logistics hub, offers seamless connectivity to Mumbai, Thane, Navi Mumbai, and JNPT port, driving 20% of India's 2025 warehousing volumes (49.2 million sq ft across top cities, per Knight Frank). Eternal's CEO Deepinder Goyal emphasized, "This expansion fortifies our supply chain, ensuring faster, reliable deliveries for HoReCa partners."

As Eternal diversifies beyond food delivery into quick commerce and events, Hyperpure's footprint now spanningmultiple cities supports 24/7 operations.

Shares of Eternal rose 1.5% to Rs 285 on BSE, buoyed by the strategic move. With e-commerce logistics booming, this lease positions Hyperpure as a key enabler in India's $200 billion food supply ecosystem.

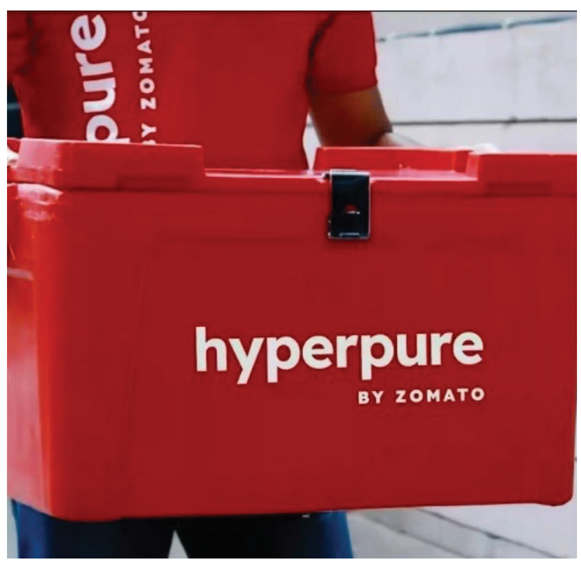

जूनियो पेमेंट्स को RBI से PPIs जारी करने की प्रारंभिक मंजूरी: फिनटेक में नया कदम

वॉलेट सेवा से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा, 1,000 करोड़ वैल्यूएशन वाली कंपनी का विस्तार; MSME और उपभोक्ताओं के लिए आसान लेन-देन

मुंबई: भारत का तेजी से बढ़ता फिनटेक स्टार्टअप जूनियो पेमेंट्स ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) से प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (PPIs) जारी करने की 'इन-प्रिंसिपल' मंजूरी प्राप्त की है। यह कदम कंपनी को डिजिटल वॉलेट सेवा शुरू करने की अनुमति देगा, जो MSME और उपभोक्ताओं के लिए लेन-देन को आसान बनाएगा। जूनियो, जो 2021 में स्थापित हुई, ने इस उपलब्धि की घोषणा मंगलवार को की, जिससे शेयर बाजार में कंपनी की वैल्यूएशन 1,000 करोड़ रुपये पार कर गई।

कंपनी के फाउंडर और CEO प्रणय सिंघल ने कहा, "RBI की मंजूरी जूनियो के लिए मील का पत्थर है। हमारा लक्ष्य छोटे व्यवसायों को डिजिटल भुगतान का सरल माध्यम प्रदान करना है।" PPIs से जूनियो वॉलेट, गिफ्ट कार्ड और अन्य प्रीपेड सॉल्यूशंस लॉन्च करेगी, जो UPI और कार्ड पेमेंट्स के साथ एकीकृत होंगी। कंपनी का फोकस B2B पेमेंट्स पर है, जहां वर्तमान में 5 लाख से अधिक MSME जुड़े हैं। RBI की यह मंजूरी जूनियो को PPI जारीकर्ता श्रेणी में लाती है, जो डिजिटल इंडिया के अनुरूप है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे कंपनी का राजस्व 50% बढ़ सकता है। जूनियो ने हाल ही में 100 करोड़ रुपये का फंडिंग राउंड पूरा किया, जो विस्तार को गति देगा। यह कदम फिनटेक सेक्टर में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगा, जहां Paytm और PhonePe हावी हैं।

सन फार्मा की अमेरिकी इनोवेटिव दवाओं की बिक्री पहली बार जेनेरिक से आगे निकली

FY25 Q2 में $150 मिलियन राजस्व, Leqselvi और Winlevi का योगदान; स्पेशियलिटी पोर्टफोलियो 2030 तक $10 अरब का लक्ष्य

मुंबई: भारत की दिग्गज फार्मा कंपनी सन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अमेरिकी बाजार में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पहली बार, कंपनी की इनोवेटिव (स्पेशियलिटी) दवाओं की बिक्री जेनेरिक दवाओं से अधिक हो गई। FY25 की दूसरी तिमाही में अमेरिका में स्पेशियलिटी सेगमेंट का राजस्व $150 मिलियन (लगभग 1,260 करोड़ रुपये) रहा, जो कुल अमेरिकी बिक्री का 52% है। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के $90 मिलियन से 67% अधिक है।

कंपनी के MD दिलीप शांघवी ने कहा, "यह मील का पत्थर हमारी R&D और इनोवेशन रणनीति का परिणाम है। Leqselvi (एलोपेशिया एरियाटा के लिए) और Winlevi (एक्ने के लिए) ने शानदार प्रदर्शन किया।" Leqselvi, जो जुलाई 2025 में लॉन्च हुई, ने पहले तीन महीनों में $50 मिलियन की बिक्री की। Winlevi ने भी $40 मिलियन का योगदान दिया। सन फार्मा का वैश्विक स्पेशियलिटी पोर्टफोलियो अब 12 दवाओं का है, जो त्वचा रोग, नेत्र रोग और ऑन्कोलॉजी पर केंद्रित है।

अमेरिका में जेनेरिक बिक्री $140 मिलियन रही, जो पिछले वर्ष से 10% कम है। कुल वैश्विक राजस्व 12% बढ़कर 12,500 करोड़ रुपये हुआ। कंपनी ने 2030 तक स्पेशियलिटी से $10 अरब राजस्व का लक्ष्य रखा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव सन फार्मा को वैश्विक इनोवेटिव फार्मा लीडर बनाएगा। शेयर बाजार में इस खबर से कंपनी के शेयर 3% चढ़े। यह कदम भारत के फार्मा सेक्टर की R&D क्षमता को रेखांकित करता है।

सिम्पल एनर्जी ने FY24-25 राजस्व लक्ष्य को 125% पार किया: 1,000 यूनिट बिक्री के साथ EV बाजार में धमाका

Simple One बाइक का जलवा, 1.5 करोड़ राजस्व; 2026 तक 10,000 बिक्री का लक्ष्य, बैटरी और डिजाइन पर फोकस

बेंगलुरु: इलेक्ट्रिक वाहन (EV) निर्माता सिम्पल एनर्जी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के राजस्व लक्ष्य को 125% से अधिक पार कर लिया। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि FY24-25 में राजस्व 1.5 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो बजट से 1.25 गुना अधिक है। इसके साथ ही, कंपनी ने 1,000 यूनिट से अधिक बिक्री दर्ज की, जो EV दोपहिया बाजार में मजबूत प्रवेश का संकेत है।

कंपनी के फ्लैगशिप मॉडल Simple One इलेक्ट्रिक बाइक ने इस सफलता का आधार तैयार किया। 5 किलोवाट घंटे बैटरी के साथ 212 किलोमीटर रेंज वाली यह बाइक 145 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देती है। सिम्पल एनर्जी के फाउंडर और CEO अनंत बडिगन्नवर ने कहा, "हमारा फोकस किफायती, टिकाऊ और भारतीय जरूरतों पर आधारित EV पर है। 125% वृद्धि हमारे डिजाइन और बैटरी तकनीक का प्रमाण है।" कंपनी ने 2024 में लॉन्च के बाद ही 500 यूनिट बेचीं, और 2025 में दोगुनी तेजी आई।

EV बाजार में बढ़ती मांग से प्रेरित, सिम्पल एनर्जी ने 2026 तक 10,000 यूनिट बिक्री का लक्ष्य रखा है। कंपनी नोएडा प्लांट में उत्पादन बढ़ा रही है, जहां 1,000 युनिट मासिक क्षमता है। सरकारी PLI स्कीम और FAME-II सब्सिडी से लाभ मिला, लेकिन चुनौतियां जैसे चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बरकरार हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि सिम्पल एनर्जी जैसी स्टार्टअप्स भारत के 2030 तक 30% EV लक्ष्य को गति देंगी। शेयर बाजार में कंपनी के शेयर 4% चढ़े। यह कदम EV सेक्टर में भारतीय नवाचार को रेखांकित करता है।

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock name	losing Rat	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	25492	26239	26021	25756	25538	25273	25055	24790
BANK NIFTY	57877	59449	58847	58362	57760	57275	56673	56188
SENSEX	83216	85455	84789	84003	83337	82551	81885	81099
FINNIFTY	27239	27940	27654	27447	27161	26954	26668	26461
MIDCAP	13447	14034	13826	13637	13429	13240	13032	12843
ACC	1850	1893	1877	1863	1847	1833	1817	1803
AXISBANK	1224	1262	1251	1238	1227	1214	1203	1190
ABCAPITAL	337	369	357	347	335	325	313	303
BHARTIARTL	2002	2232	2183	2093	2044	1954	1905	1815
BHEL	264	283	275	270	262	257	249	244
BIOCON	380	402	395	387	380	372	365	357
CDSL	1576	1735	1676	1626	1567	1517	1458	1408
DATAPATTERN	2612	2973	2874	2743	2644	2513	2414	2283
ESCORTS	3627	4118	3999	3813	3694	3508	3389	3203
EICHERMOTOR	6885	7409	7239	7062	6892	6715	6545	6368
FEDERAL BANK	238	246	243	240	237	234	231	228
GRINFRAPOJECT	1137	1225	1204	1171	1150	1117	1096	1063
HDFCBANK	984	1019	1008	996	985	973	962	950
HCLTECH	1511	1603	1576	1544	1517	1485	1458	1426
HINDUNILVR	2417	2535	2505	2461	2431	2387	2357	2313
HAL	4635	4911	4812	4724	4625	4537	4438	4350
HYUNDAI	2325	2569	2518	2422	2371	2275	2224	2128
IOC	169	175	172	171	168	167	164	163
ICICIBANK	1343	1390	1370	1357	1337	1324	1304	1291
INFY	1478	1535	1513	1495	1473	1455	1433	1415
ITC	405	435	428	417	410	399	392	381
KOTAKBNK	2090	2182	2151	2121	2090	2060	2029	1999
LICHOUSING	572	597	587	580	570	563	553	546
LT	3882	4209	4124	4003	3918	3797	3712	3591
LUPIN	1969	2076	2045	2007	1976	1938	1907	1869
MARUTI	15490	16673	16345	15918	15590	15163	14835	14408
M&M	3690	3975	3847	3768	3640	3561	3433	3354
MGL	1216	1338	1312	1264	1238	1190	1164	1116
MAZGAONDOC	2670	2928	2841	2756	2669	2584	2497	2412
PFC	375	428	418	396	386	364	354	332
RECLTD	365	399	390	377	368	355	346	333
RELIANCE	1479	1529	1516	1497	1484	1465	1452	1433
SBIN	954	1002	987	970	955	938	923	906
SUNPHARMA	1693	1779	1752	1722	1695	1665	1638	1608
SHRIRAMFINANCE	818	895	857	838	800	781	743	724
TITAN	3768	4013	3924	3846	3757	3679	3590	3512
TCS	2994	3143	3099	3047	3003	2951	2907	2855
TATAMOTORS	406	431	425	415	409	399	393	383
UPL	749	804	779	764	739	724	699	684
VALIENT	301	331	322	312	303	293	284	274
WIPRO	237	245	243	240	238	235	233	230

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने Akzo Noble इंडिया अधिग्रहण के लिए 3,300 करोड़ जुटाने की योजना बनाई

NCD के माध्यम से फंडिंग, 6,500 करोड़ का कुल इन्फ्यूजन; डुलक्स ब्रांड का अधिग्रहण से चौथा सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगी कंपनी

मुंबई: जेएसडब्ल्यू ग्रुप की फ्लैगशिप पेंट कंपनी जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने Akzo Noble इंडिया के अधिग्रहण को फाइनेंस करने के लिए 3,300 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी शुक्रवार को नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (NCD) के माध्यम से यह राशि जुटाएगी। यह कदम जेएसडब्ल्यू ग्रुप के कुल 6,500 करोड़ रुपये के कैपिटल इन्फ्यूजन का हिस्सा है, जो स्टील, ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट और स्पोर्ट्स जैसे क्षेत्रों में फैला है।

अधिग्रहण की अधिकतम राशि 9,400 करोड़ रुपये है, जिसमें खुले ऑफर सहित कुल मूल्य लगभग 12,915 करोड़ रुपये हो सकता है। इससे जेएसडब्ल्यू पेंट्स भारत की चौथी सबसे बड़ी डेकोरेटिव पेंट कंपनी और दूसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्रियल पेंट्स कंपनी बनेगी। सौदे से डुलक्स ब्रांड और वाहन रिफिनिश तथा मरीन कोटिंग्स में akzo नोबेल की तकनीक JSW को मिलेगी, जहां कंपनी की मौजूदगी कम है। ICRA की रिपोर्ट के अनुसार, अधिग्रहण के बाद कंपनी का राजस्व 2024-25 के 2,155 करोड़ रुपये से बढ़ेगा। Akzo नोबेल इंडिया पाउडर कोटिंग्स बिजनेस और R&D सेंटर को अलग रखेगी।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स, जो 2019 में लॉन्च हुई, ने साजन जिंदल के नेतृत्व में तेजी से विस्तार किया है। अधिग्रहण नियामक मंजूरी और खुले ऑफर पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पेंट सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जहां एशियन पेंट्स, बर्गर और नरोलैक हावी हैं।

यह साझेदारी मर्सिडीज-बेंज की वैश्विक IT इंफ्रास्ट्रक्चर को जोहो CRM और QNTRL से जोड़ती है, जो वर्टिकल मल्टी-इंस्टेंस आर्किटेक्चर पर आधारित है। भारत में लक्जरी कार बाजार की बढ़ती मांग के बीच यह कदम ग्राहक संतुष्टि को बढ़ाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटलीकरण से सेवा समय 30% कम होगा। मर्सिडीज-बेंज ने 2025 में अब तक 1 लाख से अधिक वाहन बेचे हैं। यह साझेदारी भारतीय ऑटो सेक्टर में डिजिटल परिवर्तन का उदाहरण बनेगी।

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in